हिंदी कार्यशाला रिपोर्ट

खान मंत्रालय, भारतीय खान ब्यूरो

क्षेत्रीय कार्यालय ,भुवनेश्वर

दिनांक 22.09.2017

भारतीय खान ब्यूरो, भुवनेश्वर में सितम्बर, ,2017 को समाप्त तिमाही के लिए, दिनांक 22 सितम्बर, 2017 को ,**राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी अधिनियमों , नियमों एवं आदेशों के अनुपालन हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन सभागार (आडिटोरिएम) में किया गया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या**

में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया |

इस अवसर पर गणमान्य अतिथि के रूप में संस्थान के क्षे.खा.नि. श्री हरकेश मीना की उपस्थिति प्रेरणादायी रही। कार्यशाला का उद्घाटन समारोह दिनांक 22.09.2017 को पूर्वाह्न 10.30 बजे क्षे.खा.नि. श्री हरकेश मीना द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया | हिंदी संपर्क अधिकारी श्री दिलीप जैन ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया | कार्यक्रम का संचालन श्री महेश्वर मिश्र , अवर श्रेणी लिपिक द्वारा किया गया । तत्पश्चात उप खान नियंत्रक जी.सी शेठी ने हिंदी कार्यशाला पर अपने विचार प्रकट किए तथा सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया की सभी लोग कार्यशाला से अधिक से अधिक हिंदी का ज्ञान प्राप्त करे | अंत में अध्यक्ष महोदय श्री हरकेश मीना (क्षे.खा.नि.) ने अपने संबोधन में अधिक से अधिक कार्य हिंदी भाषा के माध्यम से करने पर जोर देते हुए ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर बल दिया।

कार्यशाला का प्रथम व्याख्यान 11.00 बजे से 12.15 तक **"सरकारी /अर्धसरकारी पत्रों का हिंदी में पत्राचार"** विषय पर **श्री पी.एम.सुन्दरेश्वर** ,सहायक प्रशासनिक अधिकारी,भारतीय खान ब्यूरो , भुवनेश्वर द्वारा प्रारम्भ किया गया, जिसमे उन्होंने सरकारी तथा अर्धसरकारी पत्रों का महत्व तथा उसका प्रारूप लोगों को समझाया तथा हिंदी पत्राचार के दौरान होने वाली कठिनाइयो के निदान तथा किस तरह से हिंदी को सहज पूर्वक लिखा जाए इसे प्रशिक्षणार्थियों ने बड़े ही ध्यानपूर्वक सुना और ध्यानमग्न किया | उसके पश्चात् दूसरा व्याख्यान 12.15 से 1.30 तक **श्री डी.उपाध्याय,** वरिष्ठ सहायक खान नियंत्रक**,** भारतीय खान ब्यूरो , भुवनेश्वर**,** द्वारा **"राजभाषा से संबंधित विविध नियम/नियमावली** विषय पर दिया गया |

इस व्याख्यान में राजभाषा अधिनियम 1963 के महत्वपूर्ण बिन्दुओं से अवगत कराया गया तथा उसे महत्व को समझाया गया | जिसे प्रशिक्षणार्थीयों ने बड़े ही ध्यानपूर्वक सुना| पुनः भोजनावकाश के पश्चात् तीसरा व्याख्यान 2.30 से 3.45 तक "**टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन**" विषय पर **श्री डी.उपाध्याय,** वरिष्ठ सहायक खान नियंत्रक**,** भारतीय खान ब्यूरो , भुवनेश्वर द्वारा लीया गया उसमें उनके द्वारा टिप्पणी लिखते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना

चाहिए से अवगत कराया गया उसके पश्चात् चतुर्थ व्याख्यान **श्री दिलीप जैन**"हिंदी संपर्क अधिकारी एव कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरो , भुवनेश्वर द्वारा **व्यावहारिक प्रशिक्षण** विषय पर लिया गया ।

जिसके अंतर्गत उन्होंने सभी भागीदारीयो से हिंदी रिपोर्ट लिखने को कहा जिसमे सभी ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया तथा श्री दिलीप जैन ने सभी के लिखे रिपोर्ट को पढ़ा तथा विद्यमान त्रुटियो से अवगत कराया तथा उसका निदान भी बताया | अंत में सभी भागीदारियो से प्रतिक्रिया फार्म भराया गया |

कार्यशाला के अंत में 5.00 से 5.30 बजे तक समापन समारोह कार्यक्रम उप.खा.नि. श्री जी सी शेठी की अध्यक्षता में सम्पन हुआ | समापन कार्यक्रम का संचालन श्री एम. मिश्र, अवर श्रेणी लिपिक , द्वारा किया गया | हिंदी संपर्क अधिकारी श्री दिलीप जैन ने हिंदी कार्यशाला का ब्यौरा रखा तथा उन्होंने सभी से ज्यादा से ज्यादा हिंदी में कार्य करने की अपील की | हिंदी कार्यशाला के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को उत्साह व् लगन के साथ धैर्यपूर्वक शामिल होकर प्रशिक्षण लेने के लिए उप खान नियंत्रक .श्री जी.सी शेठी द्वारा सराहना की गई एवं भविष्य में कार्यालय में ज्यादा से ज्यादा हिंदी का उपयोग हो इसकी आशा जताई | अंत में, वरिष्ठ सहायक खान नियंत्रक **श्री डी.उपाध्याय** द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ |

कार्यशाला में सभी प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया | उक्त कार्यशाला का सफल आयोजन हिंदी संपर्क अधिकारी एवं कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी श्री दिलीप जैन के निर्देश में एवं कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी श्री आशीष नारायण के मदद से किया गया |